जयपुर के धानक्या गांव में प. दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि पर आयोजित व्याख्यान समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल ने प. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय योजना को सरकार का आदर्श बताया। कार्यक्रम में राज्य सरकार के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ व अन्य वरिष्ठ महानुभावों ने शिरकत की।

धानक्या में प. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यान माला आयोजित हुई

मुख्यमंत्री भजन लाल ने बतौर मुख्य अतिथि समारोह का उद्घाटन किया

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और दीनदयाल उपाध्याय पर अपने विचार व्यक्त किए।
- मुख्यमंत्री भजन लाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम अंतिम छोर पर मौजूद व्यक्ति तक सरकारी कल्याण योजनाओं के लाभ पहुंचा रहे हैं।
- कार्यक्रम में जयपुर शहर के विधायकों सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

जयपुर, 11 फरवरी (का.सं.)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति जयपुर की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को धानक्या स्थित राष्ट्रीय स्मारक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन की प्रासंगिकता विषयक स्मृति व्याख्यान समारोह आयोजित किया गया।

पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नित प्राधिकरण के अध्यक्ष औंकार सिंह लखावत ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, स्मारक के निर्माण और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी आए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा। इसके अलावा उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक एवं उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिरधर ग्रुप के संचालक मंडल के सदस्य एवं उद्योगपति राजेश गौतम ने की।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश में आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विचार सत्ता के शीर्ष केंद्र में हैं। उपराष्ट्रपति ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विकास के लिए उठाए जा रहे कदम, आदिवासी महिला का राष्ट्रपति बनने जैसे कदम समाज के अंतिम छोर के व्यक्तियों को आगे बढ़ने का संदेश दे रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यही दीनदयाल उपाध्याय की दूरदर्शिता थी, जिसे आज सरकार पूरा कर रही है। उपराष्ट्रपति ने भारत सरकार को किसान हितैषी बताते हुए आधुनिक कृषि को अपनाने पर जोर दिया। साथ ही लोगों से दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन को अपने जीवन में डालने का आ ान किया।

मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने उपस्थित प्रबुद्धजनों का मार्गदर्शन किया। निंबाराम ने पंडित उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने दीनदयाल के विचारों को युगानुकूल बताते हुए जीवन में आत्मसात करने पर जोर दिया। कल तक पार्टी की अंतिम छोर पर रहने वाला कार्यकर्ता आज राजस्थान का मुख्यमंत्री है यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय जीवन दर्शन का एक उदाहरण है। पंडितजी ने सदैव राष्ट्र की एकता और नागरिकों की एकात्मता पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जब देश में साम्यवाद का विचार चरम पर था तब पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार एक नई आशा की किरण लेकर आया। आजादी के बाद अंत्योदय का विचार अब जाकर साकार होने लगा है। जिसका सपना क्रांतिकारियों ने देखा था, जो एकात्ममानववाद को लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच थी, उसे 1977 में राजस्थान राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने शुरू किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे राष्ट्रीय स्तर लागू करने का बीड़ा उठाया और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस विचार को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी पहुंचाया और अब घर-घर पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अब यह हम सबका कर्तव्य है कि हम अंत्योदय के विचार के साथ सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर पर मौजूद व्यक्ति तक पहुंचाएंगे।

वहीं विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक एवं उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन सरकार के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस दौरान गिरधर ग्रुप के संचालक मंडल के सदस्य एवं उद्योग पति राजेश गौतम आदि ने विचार व्यक्त किए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति जयपुर के अध्यक्ष मोहनलाल छीपा, सचिव प्रतापभानु सिंह शेखावत ने स्मारक को लेकर भविष्य की योजनाओं का उल्लेख किया।

कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, कामां विधायक नौक्षम चौधरी, पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष औंकार सिंह लखावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र राठौड़, पूर्व कैबिनेट मंत्री अरुण चतुर्वेदी, ग्रेटर निगम जयपुर की महापौर डॉ सौम्या गुर्जर, ग्रेटर निगम उपमहापौर पुनीत कर्नावट, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, पूर्व चेयरमैन एवं पार्षद राखी राठौड़, ग्रेटर निगम चेयरमैन एवं पार्षद अरुण शर्मा, भाजपा नेता अजयपाल सिंह समेत बड़ी संख्या में संघ एवं भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

'कभी-कभी मुझे लगता है मैं एक आतंकवादी हूं'

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ई.डी., सी.बी.आई. और पुलिस समन के संदर्भ में यह टिप्पणी की

- केजरीवाल ने कहा, केन्द्र सरकार मेरे साथ अपराधी जैसा व्यवहार कर रही है, यह मुझे जेल भेजना चाहती हैं। मैं झूठे नोटिसों से डरने वाला नहीं हूँ।

पंजाब, 11 फरवरी। पंजाब के खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आमआदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा, कभी-कभी मुझे लगता है कि, मैं एक आतंकवादी हूँ। केजरीवाल ने सी.बी.आई. के समन, ईडी नोटिस और पुलिस नोटिस को लेकर यह बात कही है। उन्होंने कहा, वे हर दिन मेरे खिलाफ नए आरोप लगाते हैं। कभी सी.बी.आई. समन, कभी नोटिस, कभी पुलिस नोटिस भेजते हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि, जैसे देश का सबसे बड़ा आतंकवादी मैं ही हूँ।

उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार मेरे साथ एक अपराधी की तरह व्यवहार कर रही है। वह मुझे झूठे आरोप लगाकर गिरफ्तार करवाना चाहती है। उन्होंने कहा कि, जांच एजेंसियां भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं और मुझे जेल में डालना चाहती हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि, ये लोग मुझे गिरफ्तार करके जेल भेजना चाहते हैं, जिससे मैं आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार ना कर सकूं। इनके पास मेरे खिलाफ किसी भी मामले में कोई सबूत नहीं है, इसके बावजूद मुझे नोटिस पर नोटिस भेजकर परेशान कर रही हैं। ये लोग अगर सोच रहे हैं कि, मैं ऐसे झूठे नोटिसों से डर जाऊंगा, तो यह गलत सोच रहे हैं। चुनावी सभा में केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों में पंजाब की 13 की 13 और दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। केजरीवाल का यह बयान कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि, आप व कांग्रेस, दोनों इंडिया गठबंधन के सदस्य हैं और अभी तक सीट बंटवारे को लेकर बात फाइनल नहीं हुई है। अब जब केजरीवाल ने यह ऐलान किया है तो इससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

इससे पहले कहा जा रहा था कि, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच दिल्ली, हरियाणा और गोवा राज्यों में गठबंधन का फॉर्मूला तय हो चुका है और पंजाब पर बातचीत जारी है। लेकिन अब केजरीवाल के इस बयान ने पिछली खबरों पर भी सवालिया निशान लगा दिया है।

भूमिगत बम फटा, एक जवान घायल

बीजापुर, 11 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज नक्सलियों द्वारा लगाए बम की चपेट में आकर एक जवान घायल हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नेलसनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत डुमरीपालनार कैम्प से जवानों की टुकडी एरिया डोमिनेशन और डी-माइनिंग के लिए निकली थी। तभी सुबह 9 बजे के आसपास डुमरीपालनार और तिमेनार के मध्य नक्सलियों के द्वारा लगाए गए बम की चपेट में आने से सी.ए.एफ. जवान पुनीत नेताम घायल हो गया। घायल जवान को पैर और पीठ पार चोट आई ,

- छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के एक कैम्प से निकले जवान नक्सलियों के लगाए भूमिगत बम की चपेट में आ गए, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है।

जिसका का प्राथमिक उपचार नेलसनार अस्पताल में किया गया। जवान को एयर लिफ्ट कर रायपुर के रामकृष्ण हॉस्पिटल भेजा गया है। नक्सलियों ने डुमरीपालनार क्षेत्र में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए 5-5 किलो का आई.ई.डी. जमीन के अंदर प्लांट कर रखा था, लेकिन जवानों की सतर्कता के कारण सुरक्षा बलों ने बम बरामद कर लिया।

13 फरवरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय किसान एकता के राष्ट्रीय अध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख ने कहा है कि, लाठी और बंदूक से किसान को नही दबाया जा सकता। उन्होंने कहा कि, किसान हर हालत में कानून के दायरे में रहकर दिल्ली पहुंचेगा।

रविवार को उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने संयुक्त किसान मोर्चा व किसान मजदूर मोर्चा के दिल्ली कूच के आ ान के मद्देनजर अधिकारियों की बैठक ली। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे यह सुनिश्चित करें कि जिले में बिजली, पानी, चिकित्सा, यातायात जैसी अतिआवश्यक सेवाएं किसी भी सूरत में प्रभावित न हों। इसके अलावा कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारी सभी मुख्य स्थानों को चिह्नित करके अतिरिक्त सुरक्षा के कड़े इंतजाम करें।

हल्द्वानी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोग पंजीकृत हैं। पुलिस ने सीसीटीवी के परीक्षण के आधार पर 25 दंगाइयों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सात तमंचे व 54 गोलियां भी बरामद किये हैं। उन्होंने बताया कि दंगाइयों के पास से बनभूलपुरा थाना से लूटे गये 99 जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

इस प्रकरण का मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक अभी भी फरार बताया जा रहा है।

कांस्टेबल की भर्ती परीक्षा अब 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भी होगी

128 शहरों में 20 फरवरी से 7 मार्च तक परीक्षा आयोजित होगी

- अब तक यह परीक्षा हिंदी व अंग्रेजी, दो भाषाओं में ही होती रही है। एक जनवरी को गृह मंत्रालय ने कॉन्स्टेबल भती परीक्षा 13 अन्य भाषाओं में भी कराने का निर्णय लिया।
- तेरह भाषाएं हैं- असमिया, बांग्ला, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी एवं कोंकणी।

नयी दिल्ली, 11 फरवरी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबलों की भर्ती के लिए पहली बार कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित होगी।

यह परीक्षा देशभर के 128 शहरों में करीब 48 लाख उम्मीदवारों के लिए 20 फरवरी से सात मार्च 2024 तक आयोजित की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने गत एक जनवरी से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में भर्ती के लिए कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने का फैसला किया था। यह ऐतिहासिक निर्णय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में स्थानीय युवाओं की भागीदारी बढ़ ाने और क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए लिया गया है।

कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा के प्रश्न पत्र अब हिन्दी और अंग्रेज़ी के अलावा जिन 13 क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किये जाएंगे उनमें, असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, ओडिया, उर्दू, पंजाबी, मणिपुरी और कोंकणी शामिल हैं।

कांस्टेबल (जीडी) चयन परीक्षा, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रमुख परीक्षाओं में से एक है जो देश भर से लाखों युवाओं को आकर्षित करती है। इसलिए, गृह मंत्रालय और कर्मचारी चयन आयोग ने हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने की सुविधा के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। तदनुसार, चयन आयोग ने कांस्टेबल (जीडी) परीक्षा, 2024 को अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 13क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित करने के लिए अधिसूचना प्रकाशित की है।

इस ऐतिहासिक निर्णय से देशभर के लाखों युवा अपनी मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा में इस परीक्षा में भाग ले सकेंगे जिससे उनके चयन की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसके, परिणामस्वरूप पूरे देश में परीक्षार्थियों के बीच इस परीक्षा की पहुंच बढ़ेगी और सभी को रोजगार का समान अवसर भी मिलेगा।

प्र.मंत्री ने झाबुआ में 7,500 करोड़ रू. की विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री मोदी ने झाबुआ में जनजातीय सम्मेलन को भी संबोधित किया और कहा कि, केन्द्र सरकार विकास के लिए कृतसंकल्प है

- जनजातीय सम्मेलन में मोदी को वनवासी राम का स्मृति चिन्ह, धनुष-बाण भेंट किया गया।
- मोदी ने कई अन्य योजनाओं के साथ क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय बनवाने की घोषणा की।

झाबुआ, 11 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि, केन्द्र सरकार पिछले दस वर्षों में जनजातीय उत्थान, गौरव और सम्मान के लिए समर्पित रही है। मध्यप्रदेश देश के सामने सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है कि, डबल इंजन की सरकार कैसे काम करती है।

मोदी यहां जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होने लगभग 7500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, झाबुआ यात्रा लोक सेवक के रूप में प्रदेश की जनता का आभार प्रकट करने के उद्देश्य से है जिसने विधानसभा में विकास के प्रति प्रतिबद्धता जताई। केन्द्र सरकार की जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए कृत संकल्पित है।

मोदी ने कहा कि, झाबुआ, खरगोन, अलीराजपुर, धार, बड़वानी सहित मध्यप्रदेश के लिए करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण, गांवों की बेहतरी के लिए आदर्श गांव योजना में जारी राशि, बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बड़ी रेल परियोजनाएं, रतलाम और मेघनगर रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण और जनजातीय समाज की दो लाख बहन बेटियों के खातों मे1500-1500 रुपए देने जैसे विकास के काम बताते हैं कि, मध्यप्रदेश में डबल इंजन की सरकार डबल तेजी से काम कर रही है,विकास के इस महाभियान का श्रेय जनता को जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने टंट्या मामा के नाम पर क्रांतिसूर्य टंट्यया भील विश्वविद्यालय की घोषणा की।

प्रधानमंत्री जनजातीय बहुल क्षेत्र झाबुआ के गोपालपुरा में जनजातीय बंधुओं से रूबरू हुए। उन्होने विकास कार्यों पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जनजातीय बंधुओं के विशाल कुंभ में अभिवादन स्वीकार करते हुए मोदी मंच पर पहुंचे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और फग्गन सिंह कुलस्ते, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, जनजातीय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उराम तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मोदी को वनवासी राम का स्मृति चिन्ह तथा तीर कमान भेंट कर उनका अभिवादन किया गया। इस अवसर पर क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। विशाल जनजातीय महाकुंभ में मध्यप्रदेश सहित गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के लोगों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने बाबा डूंगर देव की जय के उद्घोष के साथ बड़ी संख्या में पधारे जनजातीय समाज को नमन करते हुए कहा कि झाबुआ जितना मध्यप्रदेश से जुड़ा है उतना ही गुजरात से जुड़ा है।

'चुनाव आयोग ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शरद पवार ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि, जब कोई सत्तारूढ़ भाजपा का विरोध करता है तो सत्ता का दुरुपयोग स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया, "ईडी ने देश भर में जांच की है, जिसमें 2005 से 2023 तक 6,000 मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन, 25 मामलों में पर्याप्त निष्कर्ष प्राप्त हुए और (जिनमें से) 85 प्रतिशत मामले विपक्ष के नेताओं से जुड़े थे।

बाद में जब एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों ने उनसे एन.सी.पी. के नाम और चुनाव चिह्न पर निर्वाचन आयोग के फैसले के बारे में पूछा, तो पवार ने कहा कि, उन्होंने अपना पहला चुनाव "बैलों की जोड़ी के चुनाव चिह्न पर लड़ा था। विचार और विचारधारा किसी भी चिह्न से अधिक महत्वपूर्ण हैं।"

पत्रकार निखिल वागले पर हमले के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा कि, पुणे में एक व्यक्ति पर हमला किया गया और एक कार में तोड़फोड़ की गई, यह चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और राज्य तथा केंद्र को इस पर ध्यान देना चाहिए। पवार के राजनीतिक गढ़ , बारामती लोकसभा क्षेत्र से जुड़े एक सवाल के जवाब में शरद पवार ने कहा, "मैं आगामी चुनाव नहीं लड़ने जा रहा हूं। बारामती के लोग सीधे और सरल हैं। वे सही निर्णय लेंगे।

नागरिकता संशोधन कानून सी.ए.ए. के बारे में पूछे जाने पर शरद पवार ने कहा, "सी.ए.ए. लागू करना सही नहीं है, देखते हैं अगले हफ्ते क्या होता है।"

'किसानों की राह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहा है।

वाड्रा ने पोस्ट किया, "किसानों के रास्ते में कील-कांटे बिछाना अमृतकाल है या अन्यायकाल? इसी असंवेदनशील एवं किसान विरोधी रवैये ने 750 किसानों की जान ली थी। किसानों के खिलाफ काम करना, फिर उनको आवाज भी न उठाने देना - कैसी सरकार का लक्षण है? उन्होंने कहा, "किसानों से किया वादा पूरा नहीं किया, ना ही एम.एस.पी. का कानून बनाया, न किसानों की आय दोगुनी हुई, फिर किसान, देश की सरकार के पास नहीं आएंगे तो कहां जाएंगे? कांग्रेस नेता ने पोस्ट में कहा, "प्रधानमंत्री जी ! देश के किसानों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों?

अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा समर्थित निर्दलीय सुमलता अंबरीश भी शामिल थीं। कांग्रेस और जद (एस) को एक-एक सीट हासिल हुई थी।

यदियुरप्पा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि, मैसूरु भले ही मुख्यमंत्री सिद्दारमैया का गृह जिला है, लेकिन यह भाजपा का गढ़ भी है क्योंकि लोग लोकसभा चुनावों में इसका समर्थन करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सांसद, श्रीनिवास प्रसाद के राजनीतिक संन्यास की घोषणा करने के कारण पार्टी इस सीट को जीतने के लिए रणनीति बनाने के साथ एक नया उम्मीदवार ढूंढेगी। मांड्या सीट पर अंबरीश की नजर पर विजयेंद्र ने कहा कि, केंद्रीय नेतृत्व इस पर फैसला करेगा।

अंबरीश ने हाल ही में दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। शाह ने सुत्तुरू का भी दौरा किया और सुत्तुरू यात्रा में भाग लिया।

रायगढ़ में खुली जीप में घूमे राहुल, न्याय यात्रा में भीड़ उमड़ी

दो दिन के विश्राम के बाद छत्तीसगढ़ में रायगढ़ से पुनः शुरु हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा

- राहुल ने कहा, आदिवासियों का जल, जंगल, जमीन पर पहला कब्जा है। पर, मोदी कहते हैं, तुम वनवासी हो, जल, जंगल, जमीन पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है।
- राहुल बोले, प्र.मंत्री मोदी ने वो किया जो देश में पहले कभी नहीं हुआ है, डेढ़ लाख युवा भटक रहे हैं, सेना में उनकी भर्ती हो गई थी, पर, उसे रद्द कर दिया गया।

रायगढ़ (छत्तीसगढ़), 11 जनवरी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में नफरत एवं हिंसा के लिए भाजपा एवं मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि, नफरत एवं हिंसा फैलाने वाले देश के हितैषी नही हो सकते।

गांधी ने आज यहां जन नायक चौक में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि, आज जो भी देश में हिंसा फैल रही है उसकी वजह भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश के लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है। मणिपुर में दो समुदायों को हिंसा में झोंक दिया है। मणिपुर जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी वहां नहीं गए, मुझे भी वहां से जाने से रोका गया।

उन्होने कहा कि, देश के किसान, गरीब, पिछड़ा वर्ग, आदिवासी, दलितों महिलाओं के साथ आर्थिक और सामाजिक रूप से अन्याय किया जा रहा है। देश में अन्याय का बीज बोकर नफरत और हिंसा फैलाई जा रही है। सभा के दौरान उन्होंने सामने बैठाए गए बच्चों से पूछा, आप अन्याय वाले हिंदुस्तान में रहना चाहते हो या न्याय वाले हिंदुस्तान में रहना चाहते हो। इस पर बच्चों के साथ-साथ भीड़ ने कहा, न्याय के हिंदुस्तान में रहना चाहते हैं। साथ बैठी एक बच्ची ने कहा कि, भारत में इसलिए रहना चाहती हूं कि, मुझे अपने देश से बहुत प्यार है। बच्ची की बात पर गांधी ने कहा, जो बात देश के प्रधानमंत्री को समझ में नहीं आई वो बात इस बच्ची ने दो लाइन में कह दी। उन्होंने कहा, जो देश में नफरत फैलाते हैं वो देश प्रेमी नहीं होते हैं। गांधी ने नरेंद्र मोदी पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि, हिंदुस्तान के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ होगा जो प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। जिन युवाओं ने पांच साल मेहनत कर पसीना बहाया उन्हें सेना में नौकरी नहीं दी। एक लाख 50 हजार युवा भटक रहे हैं सेना में उनकी भर्ती हो गई थी बाद में उनकी भर्ती रद्द कर दी गई और कहा गया, हम नहीं लेंगे। हिंदुस्तान के इतिहास में यह पहली बार हुआ। नियुक्ति हो जाने के बाद भी उन्हें नहीं लिया गया।

गांधी ने कहा कि, पहले सेना में जाने पर आर्मी उसकी और उसके परिवार की रक्षा करती थी, अब मोदी जी अग्नि वीर बना रहे हैं जिनकी कोई सुरक्षा नहीं है और चार साल के बाद चार में से एक को सेना में लिया जाएगा और बाकी को कोई सुरक्षा नहीं। अग्निवीर बॉर्डर पर लड़ते हुए अगर गोली लग जाने से शहीद हो जाता है तो उसे शहीद का दर्जा नहीं दिया जाएगा। पहले आर्मी में डिफेंस की फैक्ट्री से बनी राइफल बंदूके खरीदी जाती थी अब सारे हथियार का ठेका अडानी को दिया गया है। देश की रक्षा में जिन भी हथियारों और उपकरणों की जरूरत होती है उसे एक एक कर अडानी जी कंपनी को दे दिया गया।

उन्होने कहा कि, पहले हम आदिवासियों को आदिवासी कहते थे और जल, जंगल, जमीन पर पहला कब्जा उन्हीं का मानते थे, लेकिन मोदी जी कहते हैं कि, तुम आदिवासी नहीं हो, तुम जंगल में रहते हो वनवासी हो, जल, जंगल, जमीन पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा की मैने लोकसभा में आवाज उठाई कि, देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने मना कर दिया कहा इसकी जरूरत नहीं है। कैसे पता चलेगा कितने पिछड़े हैं, कितने दलित हैं, कितने आदिवासी हैं।

गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा गत 08 फरवरी को ओडिशा से छत्तीसगढ़ पहुंची थी। राज्य में यात्रा का दो दिन का विश्राम था। विश्राम के बाद आज फिर यात्रा शुरू हुई। गांधी दोपहर में रायगढ़ शहर पहुंचे और शहर में महात्मा गांधी की प्रतिमा का माल्यार्पण किया। खुली जीप में सवार होकर शहर में भ्रमण किया। यात्रा के दौरान पूरे रास्ते भर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

आर.पी.एन. सिंह ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महेंद्र भट्ट तथा पश्चिम बंगाल से सामिक भट्टाचार्य को उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश से सात सीटों के लिए कांग्रेस से आए आर पी एन सिंह, डॉ सुधांशु त्रिवेदी, चौधरी तेजवीर सिंह, साधना सिंह, अमरपाल मौर्य, डॉ संगीता बलवंत और नवीन जैन को टिकट दिया गया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908